DELHI PRINTERS' ASSOCIATION
ESTD : 1954

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन
समाचार पत्रिका
मासिक

संपादक : एच. एल. खन्ना   केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु   अंकः जनवरी 2024

डीपीए की विशेष आम बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया

‘प्रिंटर्स भवन’ के स्थान परिवर्तन का निर्णय

नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस टू में स्थित डीपीए की एक संपत्ति ‘प्रिंटर्स भवन’ के स्थान परिवर्तन के निर्णय हेतु एसोसिएशन ने सदस्यों को आमंत्रित करके एक विशेष आम बैठक का आयोजन 06 जनवरी 2024 को किया, जिसमें सदस्यों को बताया गया कि ‘प्रिंटर्स भवन’ का स्थान परिवर्तन करके उसका बेहतर ढंग से लाभप्रद इस्तेमाल किया जा सके। प्रिंटर्स भवन के समुचित रूप से उपयोग न हो सकने के कई कारणों पर चर्चा हुई और ‘प्रिंटर्स भवन’ को बेचकर दिल्ली में अन्य स्थान पर भवन खरीदने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सदस्यों ने ध्वनिमत से और समर्थन में हाथ उठाकर स्वीकार कर लिया। इस बैठक में मौजूदा कार्यकारिणी के अलावा कई पूर्व अध्यक्षों सहित भारी संख्या में सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस बैठक की विस्तृत रिपोर्ट अंदर के पृष्ठों पर दी गई है।

ESTD : 1954

PRESIDENT
Mr. Prakash Dass
Mobile : 9818724948
Imm. Former President
Mr. Atul Goel
Mobile: 9810003943
VICE-PRESIDENTS
Mr. Ajay Sharma
Mobile: 8178429924
Mr. Ashok Kumar Nandra
Mobile: 9250055555
Mr. Chander Mohan Punyani
Mobile: 9811011227

HON. GENERAL SECRETARY
Mr. Puneet Talwar
Mobile : 9811081291

JOINT-SECRETARIES
Mr. Deepak Bhatia
Mobile: 9810115023
Mr. M. N. Pandey
Mobile: 9811089829
TREASURER
Mr. Sandeep Aggarwal
Mobile: 9811040044

EXECUTIVE COMMITTEE MEMBERS
Mr. Ashish Verma
Mobile: 9350984666
Mr. Ashok Aggarwal
Mobile: 9810064038
Mr. D. K. Vohra
Mobile: 9810514145
Mr. Ketan Khurana
Mobile : 9810422663
Mr. Lalit Sayal
Mobile: 9811406880
Mr. Manohar Lal Sachdeva
Mobile: 9871489274
Mr. P. K. Chauhan
Mobile: 9899094076
Mr. Prashant Aggarwal
Mobile: 9971214455
Mr. Puneet Bajaj
Mobile: 9953322396
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mobile : 9811481282
Mr. S.S. Lunkar
Mobile: 9868150401
Mr. Sanjay Sharma
Mobile : 9810643710
Mr. Shiv Dutt Sharma
Mobile : 9810521935
Mr. Simranjot Singh
Mobile: 9990000270
Mr. Sunil Jain
Mobile : 9999769787
Mr. Veenu Gupta
Mobile: 9810086716
Mr. Vijay Jain
Mobile : 9811083737
Mr. Vikas Gaur
Mobile : 9871155294
Mr. Vivek Jain
Mobile: 9810277339
Mr. Vivek Singhal
Mobile: 9899994806

EXECUTIVE SECRETARY
Mr. H. L. Khanna
Mobile : 9958043222
OFFICE SECRETARY
Mr. Sujith S
Mobile : 9971371109
Delhi Printers' Association
Flat No.26A, Shankar Market,
Connaught Circus,
New Delhi-110 001.
Phones: 23414415, 23412574
E-mail: delhiprintersassociation@gmail.com;
delhiprinter@hotmail.com

NSIC Technical Services Centre Invites Delhi Printers' Association For a Session With Its Students

The NSIC Technical Services Centre in Okhla invited Asia's largest association of printers - Delhi Printers' Association - for a day of interaction with their students pursuing Entrepreneurship Development Program in the fields of Designing, Printing and Fashion Designing. More than 50 past and present students participated in the session where they raised their queries about the various aspects of Designing, Printing and Packaging.

The session started with Ms. Vijayta Gautam, DM of NSIC TSC, welcoming and introducing the DPA Team comprising President Mr. Prakash Dass, former President Mr. Sunil Jain and Member Mr. Shreel Lunkar. The DPA delegation presented to her a Directory of DPA Members and their Monthly Newsletter Masik Samachar Patrika.

Mr. Prakash Dass. Mr. Sunil Jain and Mr. Shreel Lunkar faced various types of queries pertaining to Designing, Printing and Packaging which the students made and answered them highly satisfactorily. The session proved to be a very lively and successful interaction with different questions flowing in till the very end.

Subsequently, the delegation met Mr. Subodh Kumar Jaiswal, Sr. General Manager – NSIC TSC and Mr. Rajiv Nath, Training Head – NSIC TSC and updated them about the activities of Delhi Printers' Association and suggested them to utilise the DPA forum to inform and share the various schemes of the Government for the benefit of the majority of printing units falling under the MSME categories. They were also apprised of the massive membership of more than 1200 units due to which DPA enjoys the status of being the largest association of printers across Asia.

वर्ष 2023–2024 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2023–2024 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2022–2023 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है। यदि आप वार्षिक चंदा 18 प्रतिशत जीएसटी के साथ बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है:

Delhi Printers' Association
Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code- CNRB0002009
Bank Name - Canara Bank

Delhi Printers' Association
OD A/C No.020700845501
IFSC Code-HDFC0CTJCBL
Bank Name-The Janata Co-Operative Bank Ltd.

DPA's GST Number 07AAATD0501B1ZQ

AFFORDABLE UNIQUE TRENDY CELEBRITY-APPROVED

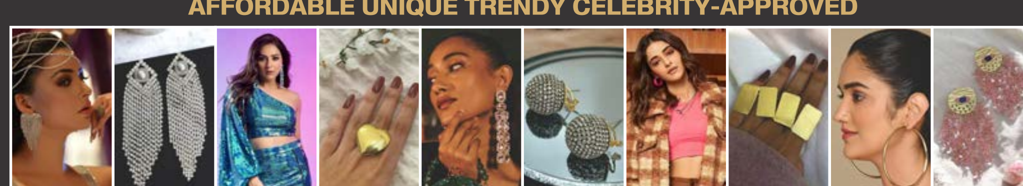

ishkaara
LET ACCESSORIES TALK!
AVAILABLE ON MYNTRA, AJIO
USE DISCOUNT CODE: NEW15 FOR 15% OFF AT WWW.ISHKAARA.COM
@ishkaara_
info@ishkaara.com
www.ishkaara.com

अध्यक्ष की कलम से

नव वर्ष के लगने से पूर्व ही साधारण या बहुत से लोग 'न्यू ईयर रैज़ोल्यूशन' अथवा अपने व्यवहार या जीवन शैली में सुधार के लिए अपनी ओर से 'नव वर्ष का संकल्प' ले लेते हैं। सामान्य तौर पर लोग प्रचलित निर्णय लेते हैं, जैसे कि पहली जनवरी से हम सिगरेट पीना छोड़ देंगे या अपने मदिरापान में कटौती कर देंगे या व्यायाम करके अपना वज़न घटाएंगे या अपने परिवार के संग अधिक समय व्यतीत करेंगे, आदि। यदि हम अपने व्यापार व व्यवसाय के संदर्भ में इस प्रकार के वर्ष के आरम्भ में संकल्प लेते हैं। तो हम खुद से वादा करते हैं कि भविष्य में हम अधिक परिश्रम करके गंभीरता से अपने मुद्रणालय को प्रगति की ओर ले जाने का प्रयास करेंगे। यदि नई मशीन लगाने की क्षमता नहीं है तो पुरानी मशीनों में आवश्यक रिपेयर कराकर तथा उनके रख-रखाव को बेहतर बनाते हुए अपने कर्मचारियों के कौशल में विकास करके छपाई के स्तर को उत्कृष्ट बनाएं ताकि नये ग्राहकों को आकर्षित करके धन्धे में वृद्धि करें और अधिकतम लाभ कमाएं। बाज़ार का रवैया है कि काम करवा लेने के बाद समय पर पेमेन्ट न देना। अतः उधारी घटाकर चिंता मुक्त होकर नए काम पकड़ने की कोशिश कर सकें।

मुद्रण व्यवसाय के उज्जवल भविष्य के लिए देश-विदेश की बात करें तो हम देख रहे हैं कि पिछले कितने ही महीनों से विश्व के दो बहुचर्चित भागों में बड़े युद्ध चल रहे हैं जिनमें भयंकर तबाही मच जाने के कारण हजारों निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। फिर भी भारत की निष्पक्ष नीतियों के चलते तथा सुदृड़ अर्थव्यवस्था के रहने से देश में जनजीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। आशावादी विशेषज्ञों के अनुमानों के अनुसार वर्ष 2024 में अनेकों नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। कुछ दशक पूर्व तक अमरीका, यूरोप तथा अन्य विकसित देशों तथा उनके नागरिकों की नजर में भारत एक कृषि-प्रधान अविकसित गरीब देश समझा जाता था। परन्तु देशवासियों के स्वयं के अथक प्रयासों तथा केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा दी गई सहायता एवं मार्ग दर्शन के तहत आज भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही पूर्णतः विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा होकर वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में चमकेगा। 'मेक इन इंडिया' के तहत बड़े-बड़े देश भारत में निवेश कर रहे हैं।

ऐसी शुभकामनाओं के साथ।

-प्रकाश दास, अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

समाचार पत्रों में छपी जानकारी के अनुसार दिल्ली सरकार के इंडस्ट्री डिपार्टमैंट ने बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली की 26 नोटिफाइड अथवा नॉन-कंफॉर्मिंग इंडस्ट्रियल पॉकेट के Redevelopntent या पुनर्विकास करने के लिए Project Menagement Consultants नियुक्त करने का फैसला लिया है। इन 26 क्षेत्रों में आनन्द पर्वत, शाहादरा, समयपुर बादली, लिबासपुर, रिठाला, मुण्डका, बसई दारापुर, ख्याला, रनहौला, आदि शामिल हैं जिनमें 50,000 से अधिक फैक्ट्रियां चल रही हैं। जिन पर लगभग 10 लाख लोगों की रोजी-रोटी निर्भर है। Delhi State Industrial and Infrastructure Development Corporation (DSIIDC) को मिले अधिकार के अंतर्गत उसके द्वारा DDA के पैनल पर दर्ज आर्किटैक्ट्स में से कुछ काबिल लोगों को Project Management Consultants के रूप में चुनकर उन्हें Delhi Master Plan के अनुरूप इन नान-कंफॉर्मिंग क्षेत्रों के पुनर्विकास का भार सौंपा जाएगा। इस कार्य पर होने वाली पूरी लागत का 90 प्रतिशत खर्चा दिल्ली सरकार करेगी, जबकि शेष 10 प्रतिशत राशि इन क्षेत्रों में चल रही औद्योगिक इकाइयों की एसोसिएशन वहन करेगी। सरकारी अफसरों के मुताबिक यह बड़ा कार्य तीन चरणों में किया जाएगा-पहले चरण में प्रत्येक क्षेत्र में किए जाने वाले विकास के लिए लेआउट, ड्रॉफ्ट प्लान आदि तैयार किए जाएंगे, दूसरे चरण में जल एवं सीवर की लाइनें, बिजली आपूर्ति तारें बिछाकर सड़क बनाने के आवश्यक कार्य किए जाएंगे, जब कि तीसरे चरण में सार्वजनिक सुविधाएं मुहैया करने के लिए कम्यूनिटी हाल, पार्किंग सुविधा, ट्रेनिंग सैंटर, रिसर्च सैंटर आदि बनाये जाएंगे।

उपर्लिखित 26 नॉन-कंफॉर्मिंग औद्योगिक क्षेत्रों के साथ-साथ सरकार ने दिल्ली में स्थित 29 Planned Industrial Areas के कुछ क्षेत्रों में पाई जाने वाली इंफ्रस्ट्रचुरल कमियों को दूर करने के लिए भी Consultants नियुक्त करने का निर्णय लिया हुआ है। DSIIDC के अनुसार भोरगढ़ में हुए सर्वे के पश्चात पाया गया कि आज भी इस कंफॉर्मिंग क्षेत्र में पूर्ण विकास नहीं हो पाया है। दूसरी ओर ओखला, पटपड़गंज, बवाना जैसे बड़े क्षेत्रों के maintenance कार्य के लिए भी Service agencies को नियुक्त किया जाएगा। बादली क्षेत्र की इकाईयों के पुनर्विकास कार्यों को Public-Private Partnership Model के आधार पर किया जाएगा।

कहने का तात्पर्य है कि इन सभी औद्योगिक क्षेत्रों चलने वाली हज़ारों प्रिंटिंग व पैकेजिंग इकाइयों को भी पुनर्विकास कार्यों का लाभ मिलेगा और वे अधिक सुविधापूर्वक अपना व्यवसाय कर पाएंगे।

-पुनीत तलवार, महासचिव

NARSINGH & COMPANY

BO: Plot No. 242, Patparganj Indl. Area, Delhi-110092, Ph.: 011-45585304, Mob.: 313515899, 9555707274, 9971685304

Email: narsinghgraphic@hotmail.com; sagar.screen147@gmail.com

KHUSHI RAM & SONS

G-147 (Basement), Sector-63, Noida -201301 (U.P.)Phone: 0120-2406271 / 72

Mob: 9313515899, 9555707274,

Email: khushiramsons148@gmail.com: narsinghgraphic@hotmail.com; sagar.screen147@gmail.com

AUTHORIZED DEALER : Hubergroup India Pvt. Ltd., Siegwerk India Pvt. Ltd, Zenith Rubber Limited, Fujikura Rubber, Blankets, KRS Royal Green Blankets, Technova Inkjet Media, Technova Plates & Chemicals. **STOCKIST:** Damping Hose, Glass Balls, KRS Royal Green Blankets, Rubber Blankets (Fujikura, Cow & Valcon Reavees, Sawa, etc), Loyee, Graphic Art Films (Fuji)Tapes (Panfix, Comat, Classic) Arabic Gum & Machine Gum and other offset processing & Printing materials, STC Chemicals, Carbon Rod, Astolen Sheet, etc.

डीपीए द्वारा विशेष आम बैठक का आयोजन

जैसा कि 16.12.2023 को आयोजित दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन की कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान निर्णय लिया गया था, डीपीए ने नारायणा में डीपीए के प्रिंटर्स भवन के भविष्य के बारे में योजनाबद्ध कार्रवाई पर उनके विचार सदस्यों के सामने प्रस्तुत करने और प्रस्तावित योजना अनुमोदन करने के लिए 6 जनवरी 2024 को एचकेएस सुरजीत भवन में एक विशेष आम बैठक आयोजित की थी।

डीपीए अध्यक्ष श्री प्रकाश दास ने सदस्यों और आयोजन के स्पांसर इलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड (ईएफएल) की टीम का स्वागत किया। उन्होंने मानद महासचिव श्री पुनीत तलवार अनुरोध किया कि वह दर्शकों को इलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड का परिचय देंगे। श्री पुनीत तलवार ने ईएफएल कंपनी द्वारा अपने 30 साल की अवधि के दौरान की गई प्रगति का संक्षिप्त विवरण दिया। इसके बाद उन्होंने डीपीए कोषाध्यक्ष श्री संदीप अग्रवाल को टीम ईएफएल को गुलदस्ता भेंट करने के लिए आमंत्रित किया। ईएफएल टीम का स्वागत करते हुए डीपीए कोषाध्यक्ष श्री संदीप अग्रवाल ने उन्हें गुलदस्ता भेंट किया। इसके बाद श्री पुनीत तलवार ने इलेक्ट्रॉनिका फाइनेंस लिमिटेड की टीम 'रफ्तार' को अपनी प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया। जोनल बिजनेस हेड श्री अंकन गोयल और ईएफएल के क्षेत्रीय उत्पाद प्रबंधक श्री शिवम गुप्ता ने ईएफएल की वित्तीय योजनाओं और अन्य गतिविधियों पर एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन के सूक्ष्म और लघु उद्यमी ईएफएल की विभिन्न योजनाओं और अनुकूलित योजनाओं से कैसे लाभान्वित हो सकते हैं। प्रस्तुतिकरण के बाद, डीपीए सदस्यों द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया गया। डीपीए के तत्काल पूर्व अध्यक्ष श्री अतुल गोयल ईएफएल टीम को स्मृति चिन्ह भेंट करने के लिए अध्यक्ष, मानद महासचिव और कोषाध्यक्ष के साथ शामिल हुए।

ईएफएल प्रस्तुति के बाद श्री पुनीत तलवार ने डीपीए के वरिष्ठ पूर्व अध्यक्ष श्री विजय मोहन को बैठक के एजेंडा आइटम पर दर्शकों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया। श्री विजय मोहन ने सभी का अभिवादन किया और कहा कि डीपीए की अब तक आयोजित सभी सामान्य बैठकें पूरी तरह से मुद्रण बिरादरी की बेहतरी के लिए थीं, लेकिन पहली बार सदस्यों से 70 साल पुरानी दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन के भविष्य पर चर्चा करने के लिए वहां इकट्ठा होने का अनुरोध किया गया था। श्री विजय मोहन ने बताया कि डीपीए की एक इमारत ए–21/10, नारायणा इंडस्ट्रीयल एरिया फेस–टू नई दिल्ली–110028 में स्थित है जो 'प्रिंटर्स भवन' के नाम से मशहूर है। डीपीए के पुराने दिग्गजों ने अपने ईमानदार प्रयासों और बलिदान से प्रिंटर्स भवन का निर्माण किया था। इसके अलावा इस भवन से कई सदस्यों की भावनाएं भी जुड़ी रहती हैं। इमारत के इतिहास पर अधिक प्रकाश डालते हुए श्री विजय मोहन ने कहा कि एसोसिएशन इमारत में

Shobha Cards & Arts

Serving with trust & commitment since 1969

Associate Concern:

My PaperKart PVT. LTD.

Buying & Selling Paper, Now Easy & Online!

Authorised Channel Partner: CENTURY PULP & PAPER (part of Aditya Birla Group) ADITYA BIRLA CENTURY

Rajeshwar Gupta - Shubham Gupta - Shobhit Gupta

CENTURY FBB/SBS (PACKAGING BOARD – VIRGIN GRADES)

We are pleased to offer a wide range of packaging board products from our principal M/s Century Pulp and Paper, Lalkuan, Uttarakhand, India (part of Aditya Birla Group):

Century Prima Fold (1.55 bulk Natural Shade FBB) - Application: Packaging, Pharma & FMCG cartons

Century Omega Plus (1.6 bulk White Shade SBS) - Application: Pharma & FMCG cartons, Graphic applications

Century Cuppa (Cup stock base) - 165 gsm and above & Century Cuppa Print (Coated Cup base) - 180 gsm + Application: Paper cups, food packaging

Century Allure Fold (Uncoated Multilayer FBB) - 170 gsm and above Application: Wedding Card, Tags, Multi Purpose

Century Opti Fold (1.42 bulk Natural Shade FBB) - Application: Packaging, Pharma & FMCG cartons

& other grades - Superia Graphik, Prima Plus, FRS, SRS etc.

Sales Enquiries:
011-45166000, 011-44461826
PN Pandey 9313874406, 011-49124125
Shubham Gupta 9313874403-9313874407
sales@shobhacards.com

Registered Office:
3618/7, Sudershan Market, Chawri Bazar, Delhi-110006

One Stop. For all your PAPER Needs.

We deals in:

& many other grades of paper & paper board

Follow Us: /shobhacards

Follow Us: /mypaperkart

'डीपीए तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान' चलाता था जहां उसने कई वर्षों तक जरूरतमंद छात्रों के लिए प्रिंटिंग संबंधी प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित कीं। ट्रेनिंग संस्थान के बंद होने के बाद भवन का आर्थिक रूप से लाभकारी उपयोग करने के लिए कई प्रयास किए गए लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर, न केवल इमारत के सामने की 30 फीट चौड़ी सड़क वाहनों के गुजरने के लिए संकीर्ण है, बल्कि इमारत के सामने एक 'बरगद' का पेड़ भी प्रिंटर्स भवन और आसपास की इमारतों के लिए गंभीर खतरा है। पिछले कुछ वर्षों में यह पेड़ इतना विशाल हो गया है कि इसने भवन की चारदीवारी को भेद दिया है और इसकी जड़ें अब भवन की नींव को प्रभावित करने लगी हैं। पेड़ को हटाने के डीपीए के लगातार प्रयास अब तक सफल नहीं हुए क्योंकि संबंधित अधिकारियों ने बताया कि पेड़ प्रिंटर्स भवन के बाहर सड़क पर खड़ा है और सुप्रीम कोर्ट ने भी ऐसे पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध लगा दिया है।

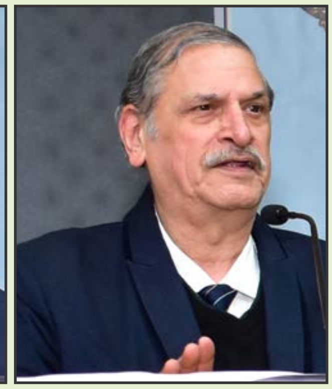

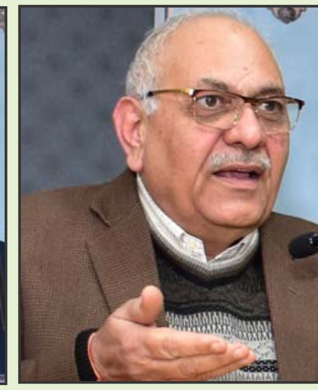

पूर्व अध्यक्ष श्री अरुण बेरी द्वारा उठाए गए व्यक्तिगत अथक प्रयासों के माध्यम से, डीपीए ने 2010 में इमारत को फ्रीहोल्ड संपत्ति में बदल दिया। उसके बाद, भवन से कमाई करने के लिए, डीपीए ने उपयुक्त किरायेदारों की तलाश करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने पार्किंग की जगह की कमी, इमारत के सामने पेड़ और पहुंच मार्ग की कम चौड़ाई का हवाला देकर अस्वीकार कर दिया। हालाँकि, स्वयं श्री विजय मोहन के सक्रिय सपोर्ट से, डीपीए ने लगभग 14 साल पहले ग्राउंड फ्लोर को जनता को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (जेसीबीएल) को किराए पर दे दिया। कुछ साल बाद, डीपीए के अनुरोध पर, बैंक इमारत के बेसमेंट को भी किराए पर लेने के लिए सहमत हो गया। किराये की आय से डीपीए अपने नियमित खर्चों को काफी हद तक पूरा करता रही है।

इसके अलावा, श्री विजय मोहन ने बताया कि एसोसिएशन की वित्तीय स्थिति पर्याप्त मजबूत नहीं होने और इस बात की गारंटी के अभाव में कि डीपीए ऊपरी मंजिलों के लिए उपयुक्त किरायेदार मिल सकेंगे। भवन के व्यापक नवीकरण कार्य को पूरा करने के लिए एक बड़ी राशि की आवश्यकता होती है। लगातार कार्यकारिणी समिति द्वारा इसे खर्च करना उचित नहीं माना गया। अफसोस की बात है कि डीपीए के पास एक प्रमुख स्थान पर 506 गज की इमारत की संपत्ति है लेकिन इसका उपयोग अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार

के लिए नहीं किया जा सकता है। वरिष्ठ सदस्यों और पूर्व अध्यक्षों के बीच स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए आयोजित कुछ विचार-मंथन सत्रों के बाद, नारायणा स्थित प्रिंटर्स भवन को बेचकर और बेहतर स्थान पर एक और वैकल्पिक भवन खरीदने का निर्णय लिया गया। आशा है कि नई इमारत के लिए डीपीए को उपयुक्त किरायेदार आसानी से मिल जाएंगे ताकि उसका बढ़ा हुआ राजस्व एसोसिएशन को समय-समय पर मेम्बर्स फ्रेंडली कार्यक्रम आयोजित करने के कई अवसर प्रदान कर सके।

श्री विजय मोहन ने कहा कि दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन ने अपने प्रिंटर्स भवन के बारे में प्रस्तावित कार्ययोजना पर अपने सदस्यों के मूल्यवान विचार, राय और अनुमति लेने के लिए विशेष आम बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सदस्यों को भवन से संबंधित पृष्ठभूमि की कहानी और भविष्य की योजनाओं के बारे में संक्षेप में बताया गया था। फिर उन्होंने उपस्थित सदस्यों को इस महत्वपूर्ण विषय पर खुलकर बोलने के लिए आमंत्रित किया। जब किसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई तो उन्होंने उन सदस्यों से हाथ उठाने का अनुरोध किया, जो प्रिंटर्स भवन की बिक्री और बेहतर स्थान पर दूसरी संपत्ति खरीदने के पक्ष में थे। दर्शकों में से हर कोई खड़ा हुआ और डीपीए के फैसले के समर्थन में हाथ उठाया।

वरिष्ठ पूर्व अध्यक्ष श्री महिंदर बुद्धिराजा और श्री अरुण बेरी ने मंच से कहा कि वे डीपीए की बेहतरी के लिए इस व्यावहारिक निर्णय के पूर्ण समर्थन में हैं। पूर्व अध्यक्ष श्री दीपक अरोड़ा भी उनके समर्थन में खड़े हो गये। उपहार टेक्नोलॉजीज प्रिंट एंड पब्लिसिटी के श्री श्रील लुंकर मंच पर गए और डीपीए के फैसले का समर्थन करने के बाद उन्होंने सुझाव दिया कि नई इमारत में एसोसिएशन को एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से डिजाइनिंग कक्षाओं के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम भी आयोजित करने चाहिए।

विशेष आम बैठक में सर्वसम्मति से श्री विजय मोहन को डीपीए के विकास और इसके सदस्यों के लाभ के लिए एसोसिएशन के पदाधिकारियों और वरिष्ठ सदस्यों के परामर्श से सर्वोत्तम संभव कदम और उचित निर्णय लेने के लिए अधिकृत करने का निर्णय लिया गया। श्री विजय मोहन ने अपने साथ खड़े रहने के लिए सभी को धन्यवाद दिया और कहा कि अपने सहयोगियों के संयुक्त प्रयासों से वह दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन को अखिल भारतीय स्तर की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष श्री संदीप अग्रवाल ने दिया। उन्होंने डीपीए पदाधिकारियों के निर्णय का समर्थन करने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन जलपान के साथ हुआ।

DDM GRAPHIC
Vikas Gaur
EUROPE'S BEST USED
OFFSET & BINDING MACHINES
HEIDELBERG MITSUBISHI HEAVY INDUSTRIES, LTD. RYOBI KBA KOMORI
294, Patpar Ganj Indl. Area, Delhi-92. Mobile: 9871155294, 9311611152
+91-11-35683917, Email: d.d.m.graphic@gmail.com
E-mail:vksb23@gmail.com, www.ddmgraphic.com

दिल्ली से छोटे उद्योगों को हटाया नहीं जा सकताः सौरभ भारद्वाज

दिल्ली सरकार के उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के नॉन कन्फर्मिंग इंडस्ट्रियल इलाकों में चल रही छोटी-छोटी औद्योगिक इकाइयों का बचाव करते हुए कहा कि दिल्ली के विकास में, उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में इन छोटे-छोटे उद्योगों की बड़ी भूमिका रही है। केवल इस बिनाह पर इन्हें हटाया नहीं जा सकता कि ये उद्योग नॉन कन्फर्मिंग एरिया में चल रहे हैं। इसके लिए सौरभ ने सरकारी एजेसियों की निष्क्रियता और उनमें कुशलता की कमी को जिम्मेदार ठहराया।

पिछले दिनों एमएसएमई को इंडिया हैबिटेट सेंटर में सीआईआई मएसएमई समिट में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे सौरभ ने कहा कि दिल्ली के सरकारी तंत्र में अलग-अलग सरकारी संस्थानों और एजेंसियों का हस्तक्षेप होने के कारण जिस स्तर पर दिल्ली का विकास हुआ, सरकारी संस्थान उस स्तर पर खुद को उतने कुशल नहीं बना पाए। इसका नतीजा हमें आवासीय बाजारों और औद्योगिक बाजारों में दिखाई देता है। डीडीए लोगों के लिए पर्याप्त संख्या में आवासीय अपोर्टमेंट नहीं बना पाई आवासीय कॉलोनियों डिवेलप नहीं कर पाई। इसकी वजह से अनधिकृत कॉलोनियां बसती चली गईं। औद्योगिक क्षेत्रों का भी यही हाल है। डीडीए दिल्ली में औद्योगिक क्षेत्रों का निर्माण और विकास नहीं कर पाई, जिसके कारण लोगों ने कई जगह छोटे-छोटे औद्योगिक क्षेत्र बना लिए जिन्हें हम नॉन कंफर्मिंग इंडिस्ट्रियल एरिया कहते हैं। दिल्ली के जितने भी औद्योगिक क्षेत्र हैं, उनमें आधे से ज्यादा नॉन कन्फर्मिंग एंरिया में हैं, जहां छोटी-छोटी औद्योगिक इकाइयां हैं। इन्हें खत्म नहीं किया जा सकता। (नवभार टाइम्स से)

DPA condoles demise of:

Wife of Mr. Anit Mathur of Anit Printers
Mother of Mr. Sudhir Mittal of Mittal Print N Pack
Mother of Mr. Deepak Mittal of Mittal Enterprises

M. S Rao 9312175513

SAI ENTERPRISES
We believe in long term relationship
GRAPHIC MACHINERY SUPPLIERS

PRE PRESS | PRESS | POST PRESS | ALLIED MACHINERY

Branch Office: G-20, VIKAS SURYA JANAK PLAZA PLOT C6-B MARKET, JANAKPURI NEW DELHI-110058, INDIA
Ph- +91 9312175513, 9716115513, Tel- 011-46025513
E-Mail:- msrao@saienterprises.info

SCAN ME FOR COMPLETE CATALOGUE

21 Years of Excellence in Industry

hpm

565+ machines Installated in India

Sizes
920 mm / 36"
1150 mm / 45"
1300 mm / 51"
1370 mm / 54"
1550 mm / 61"
1680 mm / 66"
1880 mm / 74"

Fully Automatic programmable paper cutting machine

Hot Foil Stamping Machine

Eyelet Punching Machine

PRE - PRESS
Plate Exposure
Plate Processor
Plate Baking Oven
CTCP & C T P
Large Format Film Separation

PRESS
Baby Offset Machines
Sheet fed Offset machines
Digital Printing Presses
Commercial Web Offset Presses
News Paper Industry Web Presses
Business Forms Web Presses

POST PRESS
Programmable Paper Cutting Machines
Hard Cover Making Machines
Perfect Binding Machines
Sewing Machines
Flow line Machines
Folding Machines
UV Machines
Laminations
Paper Cup Making Machine
Paper Plate Making Machine
Paper Bag Making Machine
Allied Equipments

HYDERABAD | VIZAG | PUNE | NAIROBI | KENYA

IPAMA Prepares for the Grand Opening of Inaugural Edition of IntraPac India Exhibition 2024

The Indian Printing Packaging & Allied Machinery Manufacturers' Association (IPAMA) stands as a beacon for the advancement of the Indian Printing & Packaging Industry. Committed to fostering quality machinery and equipment leveraging the latest technology, IPAMA aims to empower Indian companies to compete globally. Established in 1988, IPAMA has been hosting the renowned PRINTPACK INDIA Exhibitions biennially - a testament to its dedication to industry growth.

In its bid to break new ground, IPAMA introduces the inaugural edition of IntraPac India, an exhibition exclusively for the Packaging Industry. Scheduled for March 14 - 17, 2024, at the India Expo Centre, the event promises to be a landmark occasion.

IntraPac will showcase a diverse range of packaging solutions including primary packaging, plastic, metal, glass, paper, corrugation and more catering to sectors such as food, pharmaceuticals, chemical, industrial, cosmetics, beverages, supply chain, etc. Detailed information is available on the official website, including a comprehensive Works Manual to guide exhibitors.

In collaboration with 23 prominent associations and organizations, including the Indian Institute of Packaging and the PHD Chamber of Commerce & Industry, IPAMA has undertaken extensive promotional activities nationwide and abroad. Exclusive promotional events held in Amritsar, New Delhi, Ahmedabad, and Mumbai have garnered significant interest from industry stakeholders. Strategic advertising in leading publications further extends the exhibition's reach.

Over 170 companies will unveil cutting-edge technologies and the latest packaging machinery and allied products. Service providers, carefully selected through rigorous agreements, are committed to delivering exemplary service to exhibitors.

Invitations have been extended to various organizations to sponsor business delegates and attend the exhibition. IPAMA ensures convenience for exhibitors and visitors by offering free transport from the nearest Metro Station to the venue.

Visitor Registration Code of Interpac

"Trusted Name In Used Offset Machine Business Since 1992"

BHAVIN B. JOSHI

Siddhi Enterprise

10, Indrabaug Society, Near Panchshil Bus- Stop, Usmanpura, Ahmedabad-13, Guiarat, India, Mob.: + 919427030312, + 918141198961

Email: pressoffset@yahoo. com

The Printing Industry in India - A Historical Perspective

The printing industry in India has a rich history that has evolved over the centuries, mirroring the country's cultural, social, and economic transformations. The roots of printing in India can be traced back to ancient times, with historical evidence suggesting that woodblock printing was practiced as early as the 4th century AD. However, it was with the advent of movable type printing technology that the industry truly began to flourish.

During the Mughal era, particularly under Emperor Akbar's reign, printing gained prominence. The Persian influence introduced sophisticated techniques, leading to the establishment of royal presses for the publication of literary works. The British colonial period further fueled the growth of the printing industry as printing presses became crucial for disseminating information, particularly in the realms of administration and education.

In the pre-independence era, Indian entrepreneurs began venturing into the printing business, contributing to the establishment of small-scale printing presses across the country. The demand for newspapers, journals, and printed materials surged with the growing awareness and the desire for education among the populace.

Post-independence, the printing industry witnessed significant modernization and expansion. Technological advancements, such as offset printing, brought about efficiency and quality improvements. The industry played a pivotal role in supporting the nation's economic and educational development by providing printed materials for businesses, educational institu - tions, and government communi -cations.

The late 20th century and early 21st century saw a digital revolution in the printing industry. Computerized typeset- ting, desktop publishing and digital printing technologies reshaped the landscape, enabling quicker turnaround times and customisation of print jobs. This shift not only enhanced efficiency but also broadened the scope of the printing industry.

Today, India boasts a diverse and dynamic printing industry. From traditional printing methods to cutting-edge digital technologies, the sector caters to a wide range of needs – from commercial printing, packaging, and labeling to the production of books, magazines, and promotional materials. The industry has embraced eco-friendly practices, with a growing emphasis on sustainable printing techniques and materials.

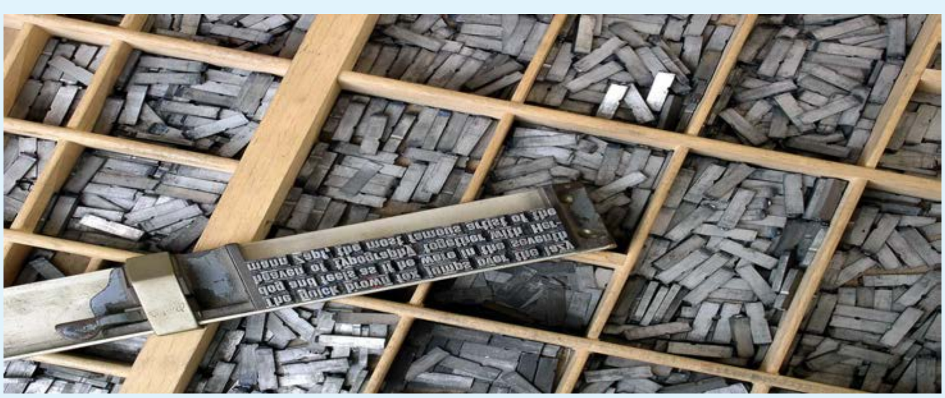

Challenges persist, including competition from online media and digital communication platforms. However, the printing industry in India continues to adapt and innovate. Printers' associations and industry bodies play a crucial role in addressing common concerns, fostering collaboration and promoting best practices.

In conclusion, the journey of the printing industry in India reflects fascinating historical influences, technological advancements and entrepreneurial spirit.

Printed at Shalimar Offset Press, New Delhi-110002